പ്രിയപ്പെട്ട കുട്ടികളെ,

കോവിഡ് 19 നമ്മുടെ മനോഹരമായ ഒരു വർഷം കവർന്നെടുത്തു. പക്ഷെ ഒരു പരിധിവരെ ശാസ്ത്ര-സാങ്കേതിക വിദ്യയുടെ മികവു കൊണ്ട് നമ്മളതിനെ അതിജീവിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്. ഇപ്പോൾ 2021 മാർച്ച് 17 ന് എസ്. എസ്.എൽ.സി പരീക്ഷ നടത്താൻ തീരുമാനമായിട്ടുണ്ടല്ലോ. നിങ്ങൾക്ക് ഒരു ബുദ്ധിമുട്ടും ഉണ്ടാകരുതെന്നാണ് ഞങ്ങൾ ആഗ്രഹിക്കുന്നത്. നിങ്ങളുടെ പ്രയാസങ്ങൾ ലഘൂകരിക്കുന്നതിനു വേണ്ടിസർക്കാർ പാഠഭാഗങ്ങളിൽ ചിലതിന് ഊന്നൽ കൊടുത്തിട്ടുണ്ട്. ഹിന്ദി പാഠപുസ്തകത്തിലെ ആദ്യത്തെ 2 യൂണിറ്റിലെ बीरबहूटी, हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, टूटा पहिया, आई एम कलाम के बहाने, सबसे बड़ा शो मैन എന്നീ പാഠഭാഗങ്ങളാണ് ഈ മേഖലയിൽ ഉൾപ്പെടുത്തിയിട്ടുള്ളത്. പ്രസ്തുത പാഠഭാഗങ്ങളിലെ ആശയം മനസ്സിലാക്കുന്നതിനുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളും കൂടാതെ ഡയറി, സംഭാഷണം, തിരക്കഥ, കത്ത്, പോസ്റ്റർ, വ്യാകരണം മുതലായവയും ഊന്നൽ മേഖലയെ അടിസ്ഥാനമാക്കി ലളിതമായി തയ്യാറാക്കാൻ ശ്രമിച്ചിട്ടുണ്ട്. പരീക്ഷയ്ക്ക് ഒരുങ്ങുന്ന എല്ലാ വിദ്യാർത്ഥികളെയും മനസ്സിൽ കണ്ട് കൊണ്ട് തയ്യാറാക്കിയ ഈ കൈപുസ്തകം സ്നേഹപൂർവ്വം സമർപ്പിച്ചു കൊണ്ട് എല്ലാ വിധ വിജയാശംസകളും നേരുന്നു...

- ☞ बीरबहूटी
- ☞ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
- ☞ टूटा पहिया
- ☞ आई एम कलाम के बहाने
- ☞ सबसे बड़ा शो मैन

इकाई -एक
पाठ-1
बीरबहूटी

विशेषण शब्द पहचनें

विशेषण और विशेष्य	विशेषण
सफ़ेद पट्टी	सफ़ेद
भूरी ज़मीन	भूरी
नीली स्याही	नीली
हरा खेत	हरा
छोटा बाजरा	छोटा
तंग गलियाँ	तंग
गीली हवाएँ	गीली
पीले फूल	पीले
भयभीत चेहरा	भयभीत
गहरा गड्ढ़ा	गहरा

बीरबहूटी की विशेषताएँ :-

बीरबहूटी

सुर्ख
मुलायम
गदबदी
खून की बूँदें जैसी

फुलेरा जंक्शन की विशेषताएँ :-

फुलेरा

मालगाड़ियों और सवारी गाड़ियों से भरा
सूनी तंग गलियाँ
बिजली के खंभे
तारों की कतारें
घंटियाँ बजाते फेरीवाले

❖ **गुज़रें मुख्य घटनाओं से :-**

- गीली ज़मीन पर बेला और साहिल का बीरबहूटियों को खोजना।
- पैन में स्याही भरवाने केलिए दुकान जाना।
- सुरेंदर मास्टर का कॉपी जाँचना।
- सुल्ताना डाकू कहकर बच्चों का चिढ़ाना।
- गांधी चौक की बालू में लंगड़ी टाँग खेलना।
- बेला और साहिल का सरकारी अस्पताल में मिलना।
- पाँचवीं का रिज़ल्ट आना।
- एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखना।
- बेला और साहिल का बिछुड़ जाना।

❖ **दोस्ती बेला और साहिल**

- हमेशा एक साथ स्कूल आना-जाना
- बीरबहूटियों को खोजना
- एक साथ पढ़ना-लिखना
- एक का दर्द दूसरे का भी समझना
- अलग होने पर दुखी होना
- एक दूसरे को चाहना

इन प्रयोगों पर ध्यान दें:

❖ "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।"

बिना सोच-विचार करके कुछ नहीं करना चाहिए। साहिल ने पैन में नई स्याही भरवाने की इच्छा से उसमें बची स्याही ज़मीन पर छिड़क दिया था। दुकान में स्याही खतम हो गई थी। तब दुकानदार ने साहिल से ऐसा कहा ।

❖ जब बेला साहिल के पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।

बेला जानती थी कि अपने दोस्त साहिल की नज़र में वह बहुत अच्छी लड़की है। साहिल के सामने बेला स्वयं अपमानित होना नहीं चाहती थी। माटसाब ने साहिल के सामने बेला के बालों में पंजा फँसाकर फेंकने वाले थे। यह देखकर सब डर गए थे। इससे बेला शर्मिंदा महसूस हुई थी। इसलिए बेला साहिल के पास आकर बैठ गई। वह उससे नज़र नहीं मिला पाई।

❖ यह बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था।

साहिल और बेला अगले साल अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने वाले हैं। उनकी दोस्ती आगे खतम होने वाली है। यह सोचकर दोनों की आँखें भर गई थीं। यह देखकर लेखक को ऐसा लगा कि यह बारिश से पहले की बारिश का एक दिन था।

❖ बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्करा रही हो।

गांधीजी बच्चों से बहुत प्यार करते थे। बच्चे खेल घंटी में गांधी चौक की बालू में लंगड़ी टाँग खेला करते थे। बच्चों की दोस्ती और प्यार देखकर कहानीकार को लगता है कि गांधीजी की मूर्ति और समय से कुछ अधिक मुस्करा रही है।

चरित्र चित्रण :

सुरेंदर माटसाब

- गणित का मास्टर
- गुस्सालू प्रकृति
- बच्चों का डरना
- अकारण मारना
- क्रूर स्वभाववाला

बेला और साहिल

- आपस में चाहना
- एक साथ स्कूल आना-जाना
- एक दूसरे का दुख अपना दुख समझना
- बिछुड़ जाने पर दुखी होना
- सच्ची दोस्ती

सुरेंदर माटसाब : ऐसे भी एक मास्टर

'बीरबहूटी' कहानी का प्रमुख पात्र हैं - सुरेंदर माटसाब। वे बेला और साहिल के गणित का मास्टर है। वे आदत से गुस्सालु हैं। बच्चे उनके नाम सुनते ही डर जाते हैं। उनके पीरियड़ के दो मिनिट पहले बच्चे अपने-अपने स्थान पर आ बैठते हैं। वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को मारते हैं। बालों को पकड़कर इधर-उधर फेंकते हैं। बच्चों की कॉपियाँ भी फेंक देते हैं। वे क्रूर स्वभाव के अध्यापक हैं। वे मास्टर बनने के योग्य नहीं है।

बेला और साहिल : दोस्ती की मिसाल

बेला और साहिल 'बीरबहूटी' कहानी के मुख्य पात्र हैं। वे पाँचवी कक्षा में पढ़ते हैं। वे आपस में बहुत चाहते हैं। हमेशा एक साथ स्कूल आते-जाते हैं। बीरबहूटियों को खोजना आदि एक साथ करते हैं। वे दूसरे का दुःख अपना दुःख समझते हैं। वे एक साथ बैठते हैं, खेलते हैं। पाँचवीं पास करके वे दोनों अलग-अलग जगहों पर जाते हैं। इसलिए दोनों बहुत दुःखी होते हैं।

पटकथा

दृश्य सं:

स्थान :
समय :
पात्र, आयु :
वेशभूषा :
संदर्भ :
संवाद :
:
:

❖ वार्तालाप

ध्यान दें:-

- विचार विनिमय केलिए
- अनौपचारिक
- सरल एवं प्रसंगानुकूल भाषा
- पूर्ण वाक्य की ज़रूरत नहीं

❖ पत्र की रूपरेखा

स्थान,
तारीख

संबोधन

अभिवादन

कलेवर

हस्ताक्षर
नाम

सेवा में,
नाम
पता

❖ डायरी

ध्यान दें :

- स्थान और तारीख का जिक्र हो।
- भाषा आत्मनिष्ठ और स्वाभाविक हो।
- दैनिक जीवन के खास अनुभवों और
- निरीक्षणों का उल्लेख हो।

पटकथा :

पाँचवीं का रिज़लट आ गया। दोनों पास हो गए। अब वे दोनों स्कूल के मैदान में खड़े हैं। इस प्रसंग पर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

दृश्य एक

स्थान	:	स्कूल का मैदान
समय	:	सुबह ग्यारह बजे
पात्र, आयु	:	बेला (11 साल)
		साहिल (11 साल)
वेशभूषा	:	स्कूली वर्दी
संदर्भ	:	(रिज़ल्ट देखने के बाद दोनों स्कूल के मैदान में खड़े होकर बातें करते हैं)

संवादः-

बेला	:	(बड़ी खुशी से) साहिल, हम दोनों पास हो गए न ?
साहिल	:	(खुशी से) हाँ बेला।
बेला	:	साहिल, अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?
साहिल	:	(उदास होकर)अजमेर, वहाँ के होस्टल में।
बेला	:	(आश्चर्य से) अजमेर ! होस्टल ! ?
साहिल	:	(दुःखी होकर) तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?
बेला	:	मैं शहर के राजकीय कन्या पाठशाला में। (साहिल की आँखों में आँसू देखकर) रोनी सूरत साहिल.....रोनी सूरत साहिल...

(दोनों हँसते हैं। फिर अलग-अलग रास्ते पर चले जाते हैं)

दृश्य समाप्त

वार्तालाप

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बंधी थी। इस प्रसंग पर बेला और साहिल के बीच का वार्तालाप लिखें।

साहिल	:	बेला, ओ बैला...
बेला	:	क्या बात है साहिल ?
साहिल	:	तेरे सिर पर क्या हुआ ?
बेला	:	चोट लगी है ।
साहिल	:	कैसे?
बेला	:	छत से गिर गई ।
साहिल	:	छत से गिर गई ?
बेला	:	चलो यार, लंगड़ी टाँग खेलेंगे।
साहिल	:	नहीं, तेरे सिर पर फिर से लग जाएगी तो...?
बेला	:	नहीं लगेगी। चलो।

पत्र

'बेला और साहिल की भरती अलग-अलग स्कूल में हुई। बेला साहिल के नाम जो पत्र लिखती है वह कल्पना करके लिखें।

फुलेरा,
18 जून 2018

प्रिय साहिल,

नमस्कार।

तुम कैसे हो? स्कूल कैसा है ? तुम्हें पसंद आया क्या ? नए-नए मित्र होंगे न ? होस्टल में सारी सुविधाएँ हैं क्या ?

साहिल तुम्हें पता है, हमेशा तुम्हारी याद आती है। खेलते समय, स्कूल आते-जाते समय। बहुत अच्छे दिन बिताए थे हम। स्कूल में आना-जाना..., रास्ते में बीरबहूटियों को खोजना..., कक्षा में साथ-साथ बैठना, लंगड़ी टाँग खेलना...। मेरी गणित अध्यापिका रीता जी बहुत अच्छी है। कोई भी अध्यापक हमें मारते नहीं है। सभी अध्यापक अच्छे हैं।

साहिल, बस अब इतना ही। बाकी अगले पत्र में। छुट्टियों में गाँव आओगे न ? तब मिलेंगे ज़रूर।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
हस्ताक्षर
बेला

सेवा में,
नाम
पता

साहिल और बेला की दोस्ती :-

साहिल और बेला दोनों पाँचवीं कक्षा में पढ़नेवाले दो छात्र हैं। दोनों अच्छे मित्र हैं। वे एकसाथ स्कूल जाते हैं और रास्ते में बीरबहूटियों को खोजते हैं। वे एक साथ भोजन करते हैं। पाँचवीं का रिज़ल्ट आया तो छठीं कक्षा में दोनों अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने की बात सुनकर बहुत दुःखी भी होते हैं। वे एक दूसरे को बहुत प्यार करते हैं।

पाठ-2

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था (टिप्पणी)

(विनोदकुमार शुक्ल)

- **शिल्प पक्ष** - इसे काव्य पक्ष या कला पक्ष भी कहते हैं। कविता की भाषा,छंद, अलंकार, शैली, प्रतीक, बिंब, उपमान आदि से संबंधित है।
- **कला पक्ष** - इसे आंतरिक पक्ष भी कहते हैं। इसका सीधा संबंध कविता के आशय या भाव से हैं। इसमें विशेष रूप से भावनाओं, कल्पनाओं तथा विचारों की प्रधानता है।

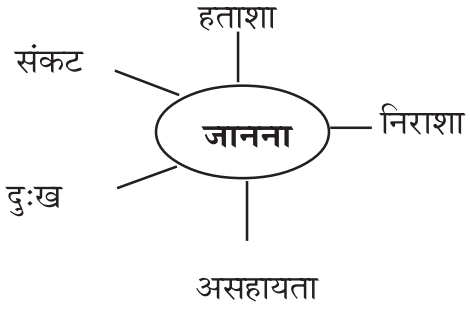

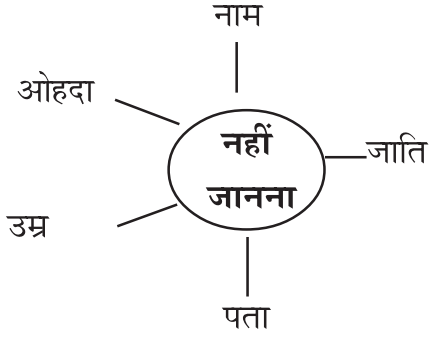

❖ **सही प्रस्ताव चुनें।**

- कवि व्यक्ति को पहले से जानता था। ☐
- कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था। ☐
- व्यक्ति को उसका नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति से जानता है। ☐
- व्यक्ति के संकट को जानना चाहिए। ☐
- दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता या मानवीय संवेदना होना चाहिए। ☐
- मुसीबत में पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर मदद करना हमारा कर्तव्य है। ☐
- जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व है। ☐
- विनोद कुमार शुक्ल की भाषा मौलिक एवं सहज है। ☐
- कविता एक गज़ल की तरह श्रोताओं के जुबान पर स्वयं आ जाते हैं। ☐
- इस कविता में 'जानना' शब्द के रूढ़ीग्रस्त अर्थ को पूरी तरह से बदल देती है। ☐

रपट पढ़ें

कुत्ता बचाने के दौरान बाइक दुर्घटनाग्रस्त : घायल व्यक्ति देर तक सड़क पर पड़ा रहा।

कण्णूर : चोव्वा रेलवे स्टेशन रोड़ पर एक कुत्ता बचाने के दौरान बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घायल व्यक्ति पंद्रह मिनट तक सड़क पर ही खून बहाकर पड़ा रहा। लोग तमाशा की तरह देख रहे थे। उसे अस्पताल ले जाने के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। बाद में पुलिस आकर उसे इलाज के लिए परियारम मेडिकल कॉलेज ले गया। घायल की पहचान बडकरा के मलयिल रफीख (35) के रूप में हुई है।

- मान लें, आप इस घटनास्थल पर उपस्थित हैं तो क्या करते ? क्यों ?

उस घटनास्थल में मैं हूँ तो उसे ज़रूर अस्पताल ले जाएगा। क्योंकि वह असहाय है, मुसीबत में है। उसे मेरी मदद की ज़रूरत है। एक हताश व्यक्ति की सहायता करना हमारा कर्तव्य है। एक व्यक्ति की हताशा निराशा, असहायता, संकट, दु:ख आदि को

पोस्टर

रक्तदान महादान

14 जून
रक्तदान दिवस

एक बूँद रक्त दो
एक जान बचाओ

रक्तदान समिति - कोषिकोड़

रक्त दान करो...स्वास्थ्य बढ़ाओ...

गोरे हो या काले खून का रंग लाल

अंगदान जीवनदान

नेत्रदान करो प्रकाश फैलाओ

नेत्रदान महादान

अपनी मृत्यु के बाद किसी को जीवित रहने दो

करो दान गुर्दा हृदय, जिगर की...

करो अंगदान पाओ स्वर्ग में स्थान

जीते-जीते रक्तदान जाते -जाते अंगदान

जाने के बाद नेत्रदान

पढ़ें, समझें

- रमेश बैठ रहा था।
- विमला बैठ रही थी।
- बच्चे बैठ रहे थे।
- लड़कियाँ बैठ रही थीं।

पाठ-3

टूटा पहिया (कविता)

मुख्य बातें

कवि : धर्मवीर भारती
लेखक, कवि, नाटककार

टूटा पहिया :
- प्रतीकात्मक कविता है।
- आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई कविता है।
- महाभारत की पौराणिक कथा पर आधारित कविता है।
  - टूटा पहिया उपेक्षित और लघु मानव का प्रतीक है ।
  - अभिमन्यु उच्च मानव और न्याय का प्रतीक है।
  - चक्रव्यूह सामाजिक समस्याओं का प्रतीक है।
  - महारथी अन्याय और अधर्म का प्रतीक है।
  - ब्रह्मास्त्र अधिकार का प्रतीक है।

विशेषण पर ध्यान दें

विशेषण	विशेष्य
टूटा	पहिया
दुरूह	चक्रव्यूह
निहत्थी	आवाज़
दुस्साहसी	अभिमन्यु
बड़े-बड़े	महारथी
सामूहिक	गति

शब्दार्थ पर ध्यान दें

- चुनौती देना - ललकारना - To challenge
- कुचल देना - रौंदना - To trample
- लोहा लेना - सामना करना - To face
- झूठी पड़ जाना - गलत पड़ जाना - To become wrong
- आश्रय लेना - सहारा लेना - To help

कविता पर टिप्पणी

मुझे मत फेंकों...

हिंदी के प्रसिद्ध लेखक, नाटककार, कवि धर्मवीर भारती की कविता है - 'टूटा पहिया'। यह आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई कविता है। यह कविता महाभारत की पौराणिक कथा के आधार पर लिखी गई है।

कविता में कवि स्वयं को टूटा पहिया मानता है। वे कहते हैं टूटा पहिया समझकर उसे फेंक देना नहीं चाहिए। यह बाद में काम आएगा। महाभारत के युद्ध में कई महारथी असत्य या अन्याय के पक्ष में रहकर लड़ रहे थे। अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु जिसे दुस्साहसी कहते हैं, न्याय के पक्ष में रहकर लड़ रहा था। कौरव पक्ष के महारथी असहाय, निरीह और निरायुध बालक अभिमन्यु की आवाज़ को कुचल देना चाहते थे। अभिमन्यु निडर होकर टूटे पहिए का सहारा लेकर उसका सामना भी किया। इस पौराणिक प्रसंग को याद दिलाते हुए कवि कहते हैं कि इस प्रकार की अधार्मिक घटनाएँ आगे भी हो सकती हैं। इसलिए टूटे हुए पहिए को तुच्छ या नाचीज़ समझकर फेंकना नहीं चाहिए। तुच्छ समझने वाली वस्तुएँ कभी-कभार सांत्वना देने में सहायक हो सकती है।

इस कविता में कवि कहना चाहते हैं कि इतिहासों की सामूहिक गति अधर्म के पक्ष की ओर मुड़कर जाए तो सच्चाई के पक्षधर टूटे पहिए का सहारा ले सकता है ।

यह एक प्रतीकात्मक कविता है। यहाँ टूटा पहिया लघु मानव यानी उपेक्षित मानव का प्रतीक है। अभिमन्यु उच्च मानव अथवा न्याय का प्रतीक है। कौरव पक्ष के महारथी अन्याय का प्रतीक मानते हैं। चक्रव्यूह सामाजिक समस्याओं का प्रतीक है। असल में कौरव पक्ष के महारथी शोषक का भी प्रतीक हैं। यह कविता बिलकुल प्रासंगिक है।

छोटू उर्फ़ कलाम	रणविजय
• गरीब परिवार का लड़का है ।	• ढाणी के राणा का बेटा है।
• सुदूर गाँव से आया है ।	• स्कूल जाना पसंद नहीं करता है।
• चाय की दुकान में काम करता है।	• परीक्षा का डर है ।
• स्कूल जाना चाहता है ।	• अमीर-गरीब, ऊँच-नीच, भेद भाव नहीं है।
• पढ़ लिखकर कलाम-सा बनना चाहता है।	• दोस्ती का महत्व समझता है।
• कोई भी कार्य सीखने में तेज़ है।	
• समझदार और ईमानदार लड़का है।	
• जीवजंतुओं से सहानुभूति रखता है।	
• दोस्ती का महत्व समझता है।	

इन प्रयोगों पर ध्यान दें।

❖ हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का।

अदला बदली का मतलब है लेन-देन। मोरपाल अपना छाछ मिहिर को एवं मिहिर अपना राजमा-चावल मोरपाल को देता है। इससे दोनों की दोस्ती और भी बढ़ जाती है।

❖ 'रविवार की छुट्टी का दिन उनके लिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता।'

मोरपाल केलिए रविवार का दिन बुरा दिन था । लेकिन बाकी स्कूली दिनों में कमर तोड़ मेहनत से छुट्टी मिलती थी और राजमा - चावल जैसे स्वादिष्ट भोजन भी मिलता था।

❖ बाकी निन्यानवे कहानियों को कभी भूलना नहीं चाहिए जो हमारे बचपनों में है।

'आई एम कलाम' नामक सिनेमा में नायक छोटू जीवन में सफल होता है। एक अच्छे दोस्त की मदद से पाठशाला तक पहुँचकर उसका सपना साकार हो जाता है। लेकिन ऐसी बातें विरले ही देखने को मिलती है। सैकडों में एक ही इस प्रकार ज़िंदगी में कामयाब हो जाता हैं।

❖ लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता।

ढाणी पर काम करने वाले सभी बच्चों को 'छोटू' नाम से पुकारा जाता है। कभी कभार ऐसे बच्चों का जीवन ढाणी पर ही समाप्त होता है। लेकिन हमारे नायक छोटू होशियार है। उसका एक सपना था, पढ़-लिखकर बड़े होकर राष्ट्रपति कलाम जैसा बनना और अपने पैरों पर खड़े हो जाना।

इकाई 2 पाठ-1

आई एम कलाम के बहाने

- **पात्र पहचानें।**

मिहिर	-	लेखक
मोरपाल	-	मिहिर का मित्र
छोटू उर्फ़ कलाम	-	चाय की दुकान में काम करने वाला लड़का
रणविजय	-	ढाणी के राणा का बेटा
भाटी सा	-	चाय की दुकान का मालिक
लूसी मैडम	-	विदेशी टूरिस्ट

- **विशेष प्रयोग समझें।**

अदला-बदली	-	लेनदेन/ विनिमय
इशारा करना	-	संकेत करना
कमरतोड़ मेहनत करना	-	अत्यधिक परिश्रम करना
नकल करना	-	अनुकरण करना
बाँछें खिल जाना	-	प्रसन्न होना
वाहवाही करना	-	प्रशंसा करना
दवा करना	-	चिकित्सा करना
मंजिल पाना	-	लक्ष्य पाना
खेत-मज़ूरी करना	-	खेतीबाड़ी करना
हैरान होना	-	आश्चर्य चकित होना
इल्ज़ाम सहना	-	आरोप सहना

इन विलोमों को पहचानें...

मोरपाल	मिहिर
• गरीब परिवार का लड़का है।	• अमीर परिवार का लड़का है।
• दूर से साइकिल चलाता आता है ।	• स्कूल न जाने के लिए बहाना बनाया करता है।
• रोज़ छाछ लाता है।	• छाछ उसकी कमज़ोरी है।
• राजमा- चावल पसंद करता है।	• रोज़ राजमा - चावल लाता है।
• हमेशा नीली-खाकी यूनीफ़ॉर्म पहनता है।	• यूनीफ़ॉर्म पहनना पसंद नहीं करता है।
• रोज़ स्कूल आना पसंद करता है।	• कीमती कपड़ें पहनता है।
• छुट्टियों में घर पर कमरतोड़ मेहनत करता है।	

1 जून 1990

सोमवार

आज मैं बहुत खुश हूँ! खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं..., आज पहली बार मैं स्कूल गया। बहुत मज़ा आया।

सब रणविजय की मदद से हुई है। यूनीफ़ॉर्म पहनकर, बस्ता लेकर स्कूल बस में चढ़कर स्कूल पहुँचा। अध्यापकों से मिलकर, उनकी वाणी सुनते हुए अजीब-सा आनंद हुआ। मैं ज़रूर बड़ा-बनकर राष्ट्रपति कलाम जैसा बनूँगा। लेकिन मेरी पढ़ाई के खर्च के लिए कुछ काम करना पड़ेगा। मैं किसी की सहानुभूति नहीं चाहता ...अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता हूँ।

बस...आज इतना ही। बाकी कल। गृहकार्य सब कर चुका हूँ। नींद आ रही है। कल सुबह उठना चाहिए। एक सफल दिन बीत गया...शुभरात

पोस्टर

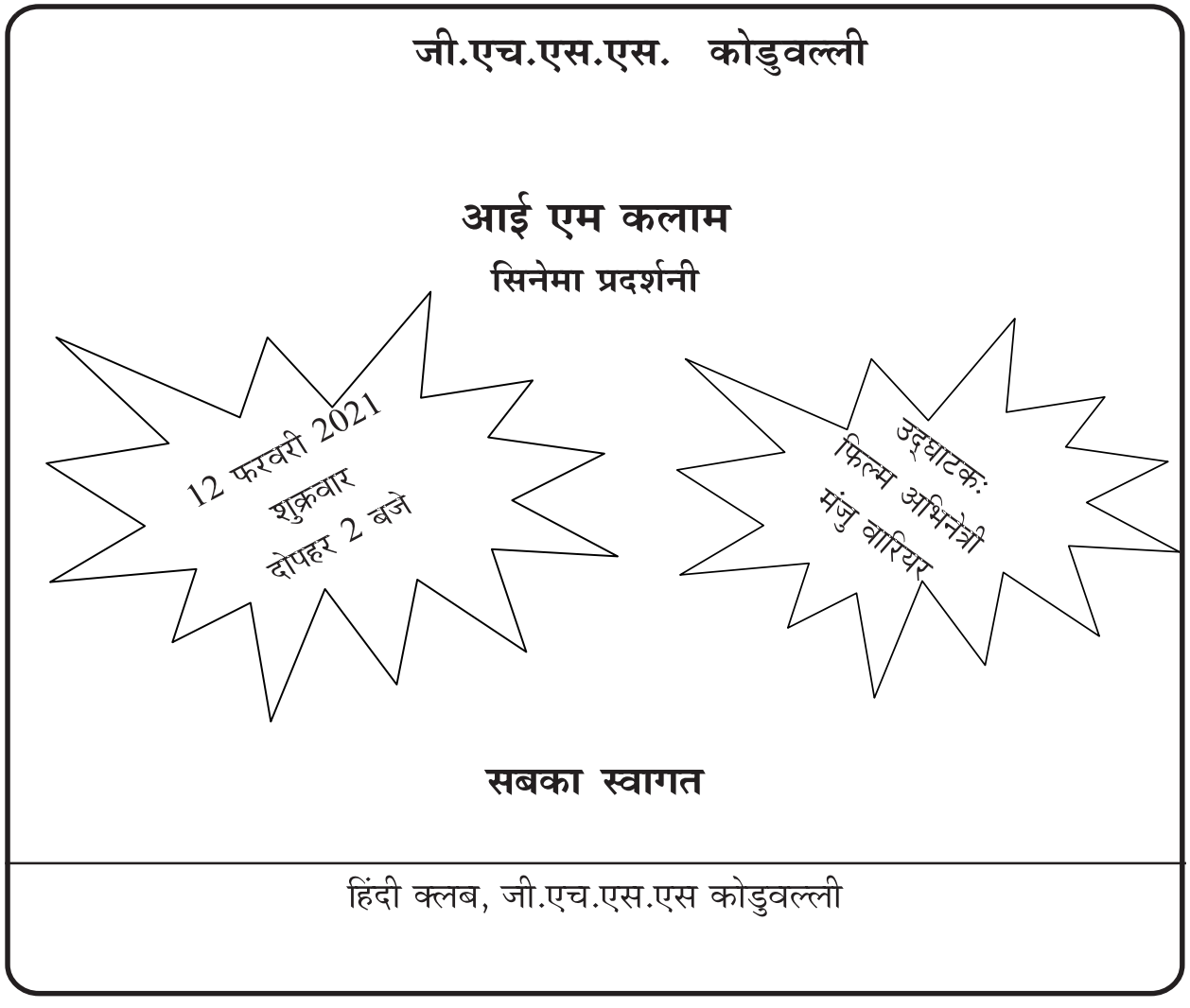

पटकथा

❖ मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का। यानी मेरे टिफिन के राजमा चावल उसके और उसके छाछ का डिब्बा मेरा।

दृश्य-1

स्थान - स्कूल की कक्षा

समय - दोपहर एक बजे

पात्र 1 - मिहिर 11 साल का लड़का

पात्र 2 - मोरपाल 11 साल का लड़का

वेशभूषा नीली - खाकी यूनीफ़ॉर्म पहना है।

(दोनों बच्चे खाना खाने बैठे हैं। एक के पास छाछ का डिब्बा है। दूसरे के पास राजमा-चावल)

संवाद

मिहिर (झाँकते हुए) अरे मोरपाल, आज क्या लाए हो ?

मोरपाल - वही रोज़ का छाछ। और तुम ?

मिहिर - (हँसते हुए) वही राजमा-चावल। यह लो।

मोरपाल - क्या बात है ...एकदम बढ़िया।

मिहिर - यह छाछ मेरी बड़ी कमज़ोरी है।

मोरपाल - राजमा-चावल कैसे बनाता है?

मिहिर - कौन जाने...? ये सब अम्मा बनाती हैं।

मोरपाल - अम्मा को बधाई देना ।

मिहिर - ज़रूर। मोरपाल, यह बड़ी आश्चर्य की बात है, यह छाछ बिना छलकाए कैसे यहाँ पहुँचाते हो?

मोरपाल - यह तो कोई बड़ी बात नहीं। घंटी बज गई। चलो।

मिहिर - हाँ चलो।

पढ़े, डायरी लिखें

वह तय करता है कि वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ. कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा। और वह अकेला ही निकल पड़ता है। रास्ते में मुशिकलें हैं। लेकिन कथा के अंत में कलाम को अपनी मंजिल मिलती है।

चरित्र चित्रण

दोस्ती की मिसाल-रणविजय

रणविजय मिहिर पांडा का 'आई एम कलाम के बहाने' नामक फिल्मी लेख का मुख्य पात्र है। दस साल का लड़का रणविजय ढाणी के राणा का बेटा है। उसे स्कूल जाना कतई पसंद नहीं है।

ऊँच-नीच एवं अमीर-गरीब के भेदभाव नहीं रखनेवाले रणविजय चाय की दुकान में काम करनेवाले कलाम का दोस्त बन जाता है । कलाम के साथ घुड़सवार, ऊँटसवार, अंग्रेज़ी एवं हिंदी सीख लेता है।

गरीबों से हमदर्दी रखने वाला कुँवर रणविजय अपने हमसफर कलाम को अपना सपना साकार करने केलिए पुस्तक, युनीफार्म आदि देकर अपने साथ देता है।

अपने दिली दोस्त कलाम पर चोरी का इल्ज़ाम पड़ने पर वह बड़ा दुखी होता है। रणविजय सच्ची दोस्ती की मिसाल है।

छोटू सिर्फ छोटू नहीं

नील माधव पांडा की 'आई एम कलाम' फिल्म का नायक है छोटु उर्फ कलाम। दस साल का कलाम भाटी सा की चाय की दुकान में काम करता है। उसका सपना है स्कूल जाना और पढ़ लिखकर राष्ट्रपति 'कलाम' सा बनना। इसकेलिए वह अपना नाम खुद 'कलाम' रखता है।

कलाम सीखने में तेज़ है। चाय बनाना, ऊँट की दवा करना आदि वह जल्दी ही सीख लेता है। वह इतना होशियार है कि झट से विदेशी टूरिस्टों की बोली सीख जाता है और लूसी मैडम का दिल भी जीत लेता है ।

कलाम अपने भोलापन से ढाणी के राणा रणविजय का दोस्त बन जाता है। वह इतने अकलमंद है कि कुँवर रणविजय केलिए भाषण तक लिखकर देता है और उसको इनाम मिलने का कारण बन जाता है ।

कलाम एक ईमानदार लड़का है । चोरी का आरोप को भी वह सह लेता है। फिर भी दोस्ती का प्रण तोड़ने केलिए तैयार नहीं होता है ।

पढ़ें, समझें...

छोटू अपनी चिट्ठी राष्ट्रपति कलाम को देगा ।
वह अपनी चिट्ठी राष्ट्रपति कलाम को देगा।
लूसी मैडम वादा करती हैं कि उसे दिल्ली लेकर जाएँगी।
वे वादा करती हैं कि उसे दिल्ली लेकर जाएँगी।
मुन्नी जैसलेमर से आएगी।

वह जैसलेमर से आएगी।
छोटू और कलाम मिलकर स्कूल जाएँगे।
वे दोनों मिलकर स्कूल जाएँगे।

पुल्लिंग	एकवचन	देगा	जाएगा
पुल्लिंग	बहुवचन	देंगे	जाएँगे
स्त्रीलिंग	एकवचन	देगी	जाएगी
स्त्रीलिंग	बहुवचन	देंगी	जाएँगी
पुल्लिंग	एकवचन	दूँगा	जाऊँगा
स्त्रीलिंग	एकवचन	दूँगी	जाऊँगी
पुल्लिंग	बहुवचन	दोगे	जाओगे
स्त्रीलिंग	बहुवचन	दोगी	जाओगी

पहचानें...

मैं स्कूल जाने में रोया करता था।
छुट्टी हो जाया करती थी।
वे छुट्टियों में गाँव जाया करते थे।
दीपिका रोज़ क्रिकट खेला करती थी।
लड़कियाँ सभा में गीत गाया करती थीं।

पाठ 5

सबसे बड़ा शै मैन

दर्शक	चार्ली	माँ	मैनेजर
चिल्लाने लगे। स्टेज पर पैसे बरसने लगे। तालियाँ बजाने लगे। चार्ली से बातें करने लगे। माँ से हाथ मिलाकर तारीफ़ करने लगे।	तमाशा देखने लगा । जैक जोन्स गीत गाने लगा। मैनेजर के पीछे व्याकुलता से जाने लगा। जनता में गुदगुदी फैलाने लगा ।	गीत गाने लगीं। स्टेज से वापस जाने लगीं। मैनेजर से बहस करने लगीं। चार्ली को स्टेज पर भेजने लगीं।	चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए ज़िद करने लगा। रूमाल लेकर आया और पैसा बटोरने लगा। पैसे की पोटली माँ के हवाले करने लगा।

वाक्य पढ़ें और समझें

चार्ली गीत गाने लगा।	माँ गीत गाने लगीं।
मैनेजर आने लगे।	लूसी आने लगी।
लड़का खेलने लगा।	लड़की खेलने लगी।
लड़के खेलने लगे।	लड़कियाँ खेलने लगीं।
आदमी चिल्लाने लगा।	लोग चिल्लाने लगे।
चार्ली पैसा बटोरने लगा।	माँ पैसा बटोरने लगीं।

वार्तालाप

मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ और मैनेजर के बीच का वार्तालाप लिखें।

मैनेजर	:	क्या हुआ हेन्ना?
माँ	:	मुझे...मेरा गला खराब हुआ।
मैनेजर	:	और एक बार कोशिश करो।
माँ	:	कोई फायदा नहीं।
मैनेजर	:	देखो, लोग चिल्ला रहे हैं।
माँ	:	हे भगवान, अब क्या करें?
मैनेजर	:	मैं एक बात कहूँ ? तुम मानोगी क्या ?
माँ	:	बताइए।
मैनेजर	:	चार्ली को स्टेज पर भेजो, वह कुछ करके दिखाएगा।
माँ	:	चार्ली ! आप यह क्या कह रहे हैं?
मैनजर	:	मैंने उसका अभिनय देखा है। वह बड़ा होशियार है। इसलिए कह रहा हूँ।
माँ	:	पाँच साल का मेरा बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा ?
मैनेजर	:	घबराओ नहीं मुझे उस पर विश्वास है।
माँ	:	जी वह...
मैनेजर	:	ओर कोई उपाय नहीं हमें, जल्दी उसे स्टेज पर भेजो।
माँ	:	अच्छा। ठीक है।

'सप्तस्वर' कला समिति के तत्वावधान में कोषि़क्कोड टाऊण हॉल में चार्ली चैप्लिन के सिनेमाओं का प्रदर्शन होनेवाला है। इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें।

चार्ली चौप्लिन

फिल्मोत्सव

2021

10 जनवरी 2021

रविवार

शाम 4 बजे से

टाऊण हॉल - कोषि़क्कोड

- *मोडेण टाइम्स*
- *दि सरकस*

सबका स्वागत

सप्तस्वर कला समिती कोषि़क्कोड

❖ यह रपट पढ़ें

कमाल कर दिया-पाँच साल का बच्चा

लंदन : कल आलडर शॉट थियेटर में पाँच साल का लड़का दर्शकों के सामने कमाल करके दिखाया। मशहूर गायिका हेन्ना को गाते समय गला खराब होने से स्टेज से हटना पड़ा। लेकिन उसके पाँच साल का बच्चा चार्ली ने अपनी नृत्य, गीत और मासूमियत से लोगों को वश में कर लिया। उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। दर्शक खड़े होकर तालियाँ बजाकर चार्ली को प्रोत्साहित करने लगे। लोगों का कहना है कि निश्चय ही चार्ली एक बड़ा कलाकार बन जाएगा।

❖ पत्र

चार्ली की माँ अपना अनुभव सहेली लूसी से बताना चाहती हैं। माँ का वह पत्र कल्पना करके लिखें।

लंदन
5 नवंबर 1894

प्रिय लूसी,

तुम ठीक हो न ? कई दिनों से तुम्हें चिट्ठी लिखने को सोच रही थी। आज ही मुझे समय मिला। एक खास बात बताने के लिए मैं यह पत्र लिख रही हूँ। यह पढ़कर तुम ज़रूर चकित हो जाएगी।

कल आलडर शॉट थियेटर में एक शो चल रहा था। मैं स्टेज पर गा रही थी। अचानक मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। दर्शक चिल्लाने लगे। मैनेजर की ज़िद से मैंने चार्ली को स्टेज पर भेजा। कमाल की बात है कि उसका गाना बहुत अच्छा था। लोग जमकर पैसे बरसने लगे। उसकी नाच, दूसरों की नकल... बहुत अच्छा था। सच कहूँ तो वह एक शो मैन बन गया। मुझे लगती है कि आगे मैं गा नहीं पाऊँगी। लेकिन मेरा बेटा ज़रूर कल से शो करेगा।

अब इतना ही। घर में सबको मेरा प्यार भरा नमस्कार।

जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारी सहेली,
हस्ताक्षर
हैन्ना

सेवा में,
नाम
पता

डायरी

मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। मैनेजर की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें ।

5, नवंबर 1894

रविवार

आज का दिन मेरी ज़िंदगी का सबसे महत्वपूर्ण दिन था। मैं ने जो कुछ किया था, वह बिल्कुल सही निकला। चार्ली बहुत होशियारी से लोगों को अपने वश में कर लिया। केवल पाँच साल का बच्चा...बड़ी चतुराई है उसमें ! मुझे डर था कि पाँच साल का लड़का उग्र भीड़ को झेल पाएगा क्या ?? उसका जैक जोन्स का गाना... बहुत अच्छा निकला। दूसरों की नकल उतारना...नाचना...सब अच्छे निकले। स्टेज पर लोग जमकर पैसे बरसने लगे। तारीफ़ करने लगे। मन खुशी से खिल उठने लगा। ज़रूर वह एक बड़ा शो मैन बनेगा।

बस...आज इतना ही। बहुत नींद आ रही है। एक सफल दिन की उम्मीद में... शुभरात...

❖ **पढ़ें**

- इस अभद्र शेर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया ।

गाते समय माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में बदल गई। माँ को स्टेज से हटना पड़ा।

- पाँच साल का चार्ली स्टेज पर अकेला था।

केवल पाँच साल का बच्चा है, इसलिए ही उसके मन में आगे की कोई चिंता नहीं है।

- इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

गाना आधा ही हुआ कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरु हो गई। चार्ली ने शिकायती लहज़े में बताया कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा, बाद में ही गाऊँगा।

- उसने जन्म ले लिया था।

अच्छा गायक और अभिनेता चार्ली का जन्म हुआ था।

सर्वनाम + प्रत्यय

	ने	को	से	का	के	की	में	पर
मैं	मैंने	मुझको,मुझे	मुझसे	मेरा	मेरे	मेरी	मुझमें	मुझपर
हम	हमने	हमको,हमें	हमसे	हमारा	हमारे	हमारी	हममें	हमपर
तू	तुने	तुझको,तुझे	तुझसे	तेरा	तेरे	तेरी	तुझमें	तुझपर
तुम	तुमने	तुमको,तुम्हें	तुमसे	तुम्हारा	तुम्हारे	तुम्हारी	तुममें	तुमपर
यह	इसने	इसको,इसे	इससे	इसका	इसके	इसकी	इसमें	इसपर
वह	उसने	उसको,उसे	उससे	उसका	उसके	उसकी	उसमें	उसपर
ये	इन्होंने	इनको,इन्हें	इनसे	इनका	इनके	इनकी	इनमें	इनपर
वे	उन्होंने	उनको,उन्हें	उनसे	उनका	उनके	उनकी	उनमें	उनपर
कौन	किसने	किसको,किसे	किससे	किसका	किसके	किसकी	किसमें	किसपर
कौन	किन्होंने	किनको,किन्हें	किनसे	किनका	किनके	किनकी	किनमें	किनपर
कोई	किसीने	किसीको	किसीसे	किसीका	किसीके	किसीकी	किसीमें	किसीपर
कोई	किन्हींने	किन्हींको	किन्हींसे	किन्हींका	किन्हींके	किन्हींकी	किन्हींमें	किन्हींपर
जो	जिसने	जिसको,जिसे	जिससे	जिसका	जिसके	जिसकी	जिसमें	जिसपर
जो	जिन्होंने	जिनको,जिन्हें	जिनसे	जिनका	जिनके	जिनकी	जिनमें	जिनपर